

---

# Shri Dakshinamurti AshtakaM

---

## श्रीदक्षिणामूर्त्यष्टकम्

---

### Document Information

---

Text title : dakShiNAmUrtyaShTakam 1

File name : dakShiNAmUrtyaShTakam.itx

Category : shiva, aShTaka

Location : doc\_shiva

Proofread by : PSA Easwaran

Acknowledge-Permission: <http://kshetrayaatra.blogspot.com>

Latest update : July 27, 2018

Send corrections to : [sanskrit at cheerful dot c om](mailto:sanskrit at cheerful dot c om)

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 16, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीदक्षिणामूर्त्यष्टकम्



अगणितगुणगणमप्रमेमाद्यं  
सकलजगत्स्थितिसम्यमादिहेतुम् ।  
उपरतमनोयोगिहृन्मन्दिरम्तं  
सततमहं दक्षिणामूर्तिमीडे ॥ १ ॥

निरवधिसुखमिष्टदातारमीड्यं  
नतजनमनस्तापभेदैकदक्षम् ।  
भवविपिनदवाग्निनामधेयं  
सततमहं दक्षिणामूर्तिमीडे ॥ २ ॥

त्रिभुवनगुरुमागमैकप्रमाणं  
त्रिजगत्कारणसूत्रयोगमायम् ।  
रविशतभास्वरमीहितप्रधानं  
सततमहं दक्षिणामूर्तिमीडे ॥ ३ ॥

अविरतभवभावनादिदूरं  
पदपद्मद्वयभाविनामदूरम् ।  
भवजलधिसुतारणमङ्घ्रिपोतं  
सततमहं दक्षिणामूर्तिमीडे ॥ ४ ॥

कृतनिलयमनिशं वटाकमूले  
निगमशिखाव्रातबोधितैकरूपम् ।  
धृतमुद्राङ्गुलिगम्यचारुरूपं  
सततमहं दक्षिणामूर्तिमीडे ॥ ५ ॥

द्रुहिणसुतपूजिताङ्घ्रिपद्मं  
पदपद्मानतमोक्षदानदक्षम् ।  
कृतगुरुकुलवासयोगिमित्रं  
सततमहं दक्षिणामूर्तिमीडे ॥ ६ ॥

यतिवरहृदये सदा विभान्तं  
रतिपतिशतकोटिसुन्दराङ्गमाद्यम् ।  
परहितनिरतात्मनं सुसेव्यं  
सततमहं दक्षिणामूर्तिमीडे ॥ ७ ॥


स्मितधवळविकासिताननाब्जं  
श्रुतिसुलभं वृषभाधिरूढगात्रम् ।  
सितजलजसुशोभिदेहकान्तिं  
सततमहं दक्षिणामूर्तिमीडे ॥ ८ ॥

वृषभकृतमिदमिष्टसिद्धिदं  
गुरुवरदेवसन्निधौ पठेद्यः ।  
सकलदुरितदुःखवर्गहानिं  
व्रजति चिरं ज्ञानवान् शम्भुलोकम् ॥ ९ ॥


इति श्रीवृषभदेवविरचितं श्रीदक्षिणामूर्त्यष्टकं सम्पूर्णम् ।

Proofread by PSA Easwaran

---

——  
*Shri Dakshinamurti AshtakaM*

pdf was typeset on September 16, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

